॥ जय बाबा स्वामी ॥

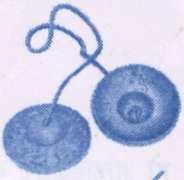

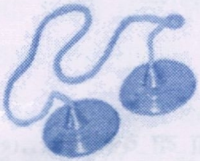

चैतन्य लेहरी

ॐ श्री शिवकृपानंद स्वामी नमो नमः
ॐ श्री शिवकृपानंद स्वामी नमो नमः
ॐ श्री शिवकृपानंद स्वामी नमो नमः

: श्री गुरुचरणों मे सादर समर्पित :
श्री रामभाई पटेल

॥ जय बाबा स्वामी ॥

गुरु वंदना

अमे तारा रे.... गुरु मारा अंतर ना अजवाळा
हो मारा अंतर ना अजवाळा....
तमे खोलो भरम ना ताळा....

चाँदी केरा झापला रे.... गुरु मारा सोना ना दरवाजा....(२)
तमे खोलो भरम ना ताळा....

रूपेरी छे दाढी रे.... गुरु मारा केसरी साफावाळा....(२)
तमे खोलो भरम ना ताळा....

पग मां शोभे छे पावडी रे.... गुरु मारा चाले चमकती चाल रे
गुरु मारा चाले दमकती चाल रे
तमे खोलो भरम ना ताळा....

साथकना दुःख हरवा रे.... तमे मानवनो देह धरीयो....(२)
तमे खोलो भरम ना ताळा....

स्वामीजी ना संग थी रे.... टळशे जनम जनम ना फेरा....(२)
तमे खोलो भरम ना ताळा....

भक्त रामदास बोलीया रे.... आ तो हरि भजवानो लहावो....
आ तो प्रभु भजवानो लहावो
तमे खोलो भरम ना ताळा....

अमे तारा रे....

॥ जय बाबा स्वामी ॥

बाबा स्वामी धाम

बाबा स्वामी धाम, मोगार रुडा गाम
वहाला मारा गुरुजी, पावन करो धाम

हुं तो सुंदर मदुली बनावुं, गाय गोबर थी एने लिपावुं
एने मारा हैया मां समावुं, हुं तो एना हैया मां समावुं
एना रुपेरी छे वाळ, शोभे हिरला केरो हार...
ए तो सुंदर सोहाय... ...बाबा स्वामी धाम...०

मारा बाबा ने हिंचके बेसाडु, हुं तो गीतो मधुरां गावुं
हिंचको हिरले थी हुं तो सजावुं, रेशम दोरी थी एने बंधावु
मारा चित्तडा केरो चोर, मारा मनडां केरो मोर...
मारा जीवन आधार... ...बाबा स्वामी धाम...०

बाग पुष्पो ना हुं तो लगावुं, लता मंडप थी द्वार सजावुं
आंगण तुलसी ना क्यारा बनावुं, साथे कदम ना वृक्षो रोपावुं
मंदमंद वायु वाय, सुंदर सुगंध फेलाय...
हैये हरख न माय... ...बाबा स्वामी धाम...०

ज्यारे बाबा स्वामीजी पधारशे, मारु गाम अमर थई जाशे
हुं तो चाहुं के जल्दी थी आवे, कलीयुग नो अंत ए आणे
आवो बाबा वहेला आवो, राम हृदियामां समाओ...
ए तो अंतर नी पुकार... ...बाबा स्वामी धाम...०

॥ जय बाबा स्वामी ॥

भाव गीत

बाबा स्वामी धाममां बोले झीणा मोर...
बोले झीणा मोर रे बाबा...
बोले झीणा मोर..हे..हे.. बाबा स्वामी धाममां...०

रीम झीम रीम झीम मेहुलो रे वरसे...
छाई घटा घनघोर रे बाबा...
छाई घटा घनघोर..हे..हे.. बाबा स्वामी धाममां...०

मोर भी बोले, पपीहा भी बोले...
कोयल करे किल्लोल रे बाबा...
कोयल करे किल्लोल..हे..हे.. बाबा स्वामी धाममां...०

ढोल मंजिरा ने तंबुरा वागे...
थाय मधुर रणकार रे बाबा...
थाय मधुर रणकार..हे..हे.. बाबा स्वामी धाममां...०

॥ जय बाबा स्वामी ॥

मने प्यारु प्यारु...

प्रेम रस से भरी, गुरुमैया लागे...(२)
मने प्यारु प्यारु, बाबा स्वामी धाम लागे...(२)

वांको चूको मारगडोने, बावळीयानी झाडी
गोरस माथे लईने चाले, गोवाळोनी नारी
मोगार रुडु, गोकुळियुं गाम लागे...(२) मने प्यारु प्यारु...०

रोगी आवे, भोगी आवे, जोगीओं पण आवे
सेवक अने शेठ पण, साथे ध्यान लगावे
धरणीधर केरा ध्याननुं, ए स्थान लागे...(२) मने प्यारु प्यारु...०

बाबा स्वामी नाम रटे जे कोई नरनारी
तन ना मन ना ताप टळे छे ध्यान धरवाथी
समर्पण ध्यानमां सफळ जिंदगानी लागे...(२) मने प्यारु प्यारु...०

दादुर मोर पपैया बोले, जय बाबा स्वामी
मारगडामां सौ कोई बोले, जय बाबा स्वामी
बाबा धाममां जवानी सौने धुन लागे...(२) मने प्यारु प्यारु...०

॥ जय बाबा स्वामी ॥

जाग रे लाला

जाग रे लाला जाग, जाग रे लाला जाग
जाग रे बाबा स्वामी जगाडे...
जाग रे लाला जाग, जाग रे लाला जाग

माया ममता छोडी लाला, जगना लोको आवे
दांडी केरा दरिया किनारे, ध्याननी धुणी धखावे
जाग रे लाला जाग, जाग रे लाला जाग

शक्ति केरां धाम बनाव्यां, मोगार रुडा गामे
ध्यान धरवा आवे त्यां तो, गामना नरने नारी
जाग रे लाला जाग, जाग रे लाला जाग

देहना तारां दुःखने दर्दो, ध्यानथी दूर भागे
कर्म तारा कपाई जाशे, गुरुकृपानी माहे
जाग रे लाला जाग, जाग रे लाला जाग

बोले झीणा मोर, कोयल करे किल्लोल
सागर घूघवे त्यां तो घूघू, मोजानी रेलम छेल
जाग रे लाला जाग, जाग रे लाला जाग

गामे गामना लोको मळी, सेवा करवा आवे
बाबा स्वामी नाम रटीने, जीवन धन्य बनावे
जाग रे लाला जाग, जाग रे लाला जाग

एक ज मारी आश, ध्यान करो सौ साथ,
मोक्षना द्वार खुली जाशे, सांभळो मारी वात
जाग रे लाला जाग, जाग रे लाला जाग

॥ जय बाबा स्वामी ॥

गुरु भक्ति

हुं तो तारा रंगे रंगायो गुरुदेव...(२)
भले मने दुनिया करे छे बदनाम...(२)
तारी मारी प्रित पुरानी गुरुदेव...(२)
भले मने दुनिया करे छे बदनाम...(२)

हो... पूर्वे जनमथी मने रंग तारो लाग्यो
मारा जीवनमां में तो साथ तारो माग्यो
तारी साथे जीवन जोड्यु छे गुरुदेव ...भले मने०

हो... रोज रोज वागे मने तारा भणकारा
नींदरमां आवे मने सपना तमारा
तारा विना सुनुं लागे छे गुरुदेव ...भले मने०

हो... जल रे विना जेम झुरे माछलडी
साधक जुओ तेम तारी वाटलडी
अेक वार मिलन थवा दे गुरुदेव ...भले मने०

हो... प्रेमगांठ बांधेली कदीए ना छूटे
साधकनुं बंधन कदीए ना तूटे
हाथ मारो झाली ना छोडो गुरुदेव ...भले मने०

॥ जय बाबा स्वामी ॥

स्वामी ने मनावो

स्वामी ने मनावो, कोई बाबा धाम जाओ
साधको स्वामीने मनावो ...(२)
मनावो रे मनावो, मारा स्वामी ने मनावो

माया लगाडी तमे चाली रे गया छो
वायदो आपी ने तमे भूली रे गया छो
धाम नी छाया मा छुपाई रे गया छो
साधको स्वामीने मनावो ...(२)
मनावो रे मनावो, मारा स्वामी ने मनावो

स्वामी रे विनानो आश्रम सुनो सुनो लागे
सागर ना तटे अमने भणकारा वागे
साधको नी प्रीत झंखे, स्वामी ने मनावो
साधको स्वामीने मनावो ...(२)
मनावो रे मनावो, मारा स्वामी ने मनावो

निंदरू न आवे अमने भोजनिया न भावे
स्वामी तारी याद अमने पल पल सतावे
किया रे कारणे स्वामी मुखडु छुपावो
साधको स्वामीने मनावो ...(२)
मनावो रे मनावो, मारा स्वामी ने मनावो

दिल नो संदेशो कहेजो दुःखडा ना कहेजो
आटली विनंती मारी स्वामीजी ने कहेजो
दर्शनिया देजो अमने विसरी न जाजो
साधको स्वामीने मनावो ...(२)
मनावो रे मनावो, मारा स्वामी ने मनावो

मनडा मा रे मारा तनडा मा

मनडा मा रे मारा तनडा मा,
मारा गुरुजी मारा मनडा मा
मैया ना स्वामी मारा मनडा मा

कोई गोते एने जंगल मा, कोई गोते एने गुफा मा
बलहीन गोते एने दुनिया मा..(२),
मारा गुरुजी मारा मनडा मा
मैया ना स्वामी मारा मनडा मा

कोई गोते एने संसार मा, कोई गोते एने साधु मा
भक्त गोते एने भजनो मा..(२),
मारा गुरुजी मारा मनडा मा
मैया ना स्वामी मारा मनडा मा

सेवक गोते एने सेवा मा, तपस्वी गोते एने तपस्या मा
पूजारी गोते एनी पूजा मा..(२),
मारा गुरुजी मारा मनडा मा
मैया ना स्वामी मारा मनडा मा

मस्त गोते एनी मस्ती मा, फकीर गोते एनी फकीरी मा
ज्ञानी गोते एने ज्ञानो मा..(२),
मारा गुरुजी मारा मनडा मा
मैया ना स्वामी मारा मनडा मा

दास विट्ठल गुरु दर्शनो मा शीष नमाउ एना चरणो मा
संत दया थी देख्यो दलडा मा..(२),
मारा गुरुजी मारा मनडा मा
मैया ना स्वामी मारा मनडा मा

भावगीत

श्री शिवकृपानंद स्वामी शरणमां, राखजो मने...(२)
तारा भरोसे नाव मारी तारजो तमे...

आंधी अने तुफान भले, आवता रहे...(२)
मोक्ष तणी यात्रा अविरत चले...

ओ गुरुजी पतनथी, बचावजो मने...(२)
तारा भरोसे नाव मारी तारजो तमे...

दया करीने दीक्षा प्रभु, आपजो मने...(२)
जन्मो जन्मनो नातो निभावजो तमे...

ध्यान तणो मार्ग, बतावजो मने...(२)
तारा भरोसे नाव मारी तारजो तमे...

रोग, शोक, दुःखथी मुक्ति, अपावजो तमे...(२)
ईश्वरीय चेतना जगाडजो तमे...

सहस्त्रारनी यात्रा, करवजो तमे...(२)
तारा भरोसे नाव मारी तारजो तमे...

समर्पण ध्यान अे तो, राजमार्ग छे...(२)
पापीने पावन करनार मुक्तिधाम छे...

जेवो छु तेवो बाळ शरणे, राखजो मने...(२)
तारा भरोसे नाव मारी तारजो तमे...

॥ जय बाबा स्वामी ॥

गुरु वंदना

मेरे गुरुदेव तुजे बार बार वंदना
बार बार वंदना हजार बार वंदना

दादा गुरुदेव तुजे बार बार वंदना
भावनगर वाले तुजे बार बार वंदना

शिवकृपानंद स्वामी तुजे बार बार वंदना
नवसारी वाले बाबा तुजे बार बार वंदना

श्री बाबास्वामी तुजे बार बार वंदना
बाबाधाम वासी तुजे बार बार वंदना

मैया गुरुमैया तुजे बार बार वंदना
मोगार निवासी तुजे बार बार वंदना

मेरे गुरुदेव तुजे बार बार वंदना
बार बार वंदना हजार बार वंदना

॥ जय बाबा स्वामी ॥

बाबा तुझे मिलने का

बाबा तुझे मिलने का, सतसंग ही बहाना है
स्वामीजी को मिलने का, एक ध्यान ही बहाना है
जगवाले क्या जाने? मेरा रिश्ता पुराना है
बाबा तुझे मिलने का सतसंग ही बहाना है

तुम्ही मेरे माता-पिता, तुम्ही मेरे बंधु सखा
दुनियावाले क्या जाने हो...(२)
मेरा दिल ही दिवाना है...
बाबा तुझे मिलने का सतसंग ही बहाना है

शिवकृपानंद गाउ में... स्वामी स्वामी गाउ में
जब भी तुम बुलाओगे, हमे दौडे चले आना है
बाबा तुझे मिलने का सतसंग ही बहाना है

चंदा मे ढुँढा, तुझे सुरज में पाया है
तारो की रीमझीम में, मेरे स्वामी का ठीकाना है
बाबा तुझे मिलने का सतसंग ही बहाना है

कलियो में ढुँढा, तुझे फूलो में पाया है
साधको की साधना में, मेरे स्वामी का ठीकाना है
शहेरो में ढुँढा, तुझे गाँवो में पाया है
दांडी के सागर तट पे, मेरे स्वामी का ठीकाना है
बाबा तुझे मिलने का सतसंग ही बहाना है

॥ जय बाबा स्वामी ॥

सुनकर करुणा पुकार

सदगुरु आ जाना...
सुनकर करुणा पुकार सदगुरु आ जाना...
आ जाना बाबा आ जाना... आ जाना स्वामी आ जाना...

सुनकर करुणा पुकार सदगुरु आ जाना...
भटक रहा हुं मारा मारा... कोई नही है मेरा सहारा
कर दो भव से पार... सदगुरु आ जाना... आ जाना...

बीच भँवर में फसी है नैया... कोई नहीं है पार लगैया...
नैया है मझधार... सदगुरु आ जाना... आ जाना...

गुरु का ज्ञान और ध्यान अलबेला... आई सुहानी अनुपम बेला...
सब के पालनहार... सदगुरु आ जाना... आ जाना...

तुम बिन मेरी सुनी है अखियाँ... चैन न पाऊ सुनी है गलियाँ...
दर्शन दो एक बार... सदगुरु आ जाना... आ जाना...

रामदास अब शरण मे तेरी... रखो लाज अब गुरुवर मेरी...
भक्त करे पुकार सदगुरु आ जाना...
आ जाना बाबा आ जाना...
आ जाना स्वामी आ जाना...
सुनकर करुणा पुकार सदगुरु आ जाना...

॥ जय बाबा स्वामी ॥

कर लो मेरे स्वामीजी से प्यार

कर लो मेरे स्वामीजी से प्यार अमृत बरसेगा...
बरसेगा... बरसेगा... महाराज अमृत बरसेगा...

प्रातः उठकर ध्यान लगाओ...
शिवकृपानंद स्वामी नाम समरलो...
हो जायेगा कल्याण अमृत बरसेगा... कर लो मेरे०

गया वक्त फिर हाथ न आये...
दुनिया में क्युं मन भटकाये...
पस्ताओगे बाद मनवा तरसेगा... कर लो मेरे०

मात-पिता सदगुरु की सेवा...
गुरु की सेवा गुरु की पूजा...
यही है जगत का सार अमृत बरसेगा... कर लो मेरे०

कहत कबीरा सुनो भाई साधो...
गुरु का नाम हृदय में राखो...
तर जाओगे भवपार अमृत बरसेगा... कर लो मेरे०

॥ जय बाबा स्वामी ॥

मैया ढूँढ रही

मैया ढूँढ रही, किसी ने मेरा स्वामी देखा
स्वामी देखा, बाबा स्वामी देखा

हमने बाबा स्वामी मैया, भावनगर मे देखा
तख्तेश्वर मे बैठे हुए, हमने बाबा स्वामी देखा ...मैया ढूँढ०

हमने बाबा स्वामी मैया, मुंबई मे देखा
ध्यान सिखाते हुए, हमने बाबा स्वामी देखा ...मैया ढूँढ०

हमने बाबा स्वामी मैया, नवसारी मे देखा
पूर्णिमा मनाते हुए, हमने बाबा स्वामी देखा ...मैया ढूँढ०

हमने बाबा स्वामी मैया, मोगार मे देखा
भोजन खिलाते हुए, हमने बाबा स्वामी देखा ...मैया ढूँढ०

हमने बाबा स्वामी मैया, जापान मे देखा
जलवा दिखाते हुए, हमने बाबा स्वामी देखा ...मैया ढूँढ०

हमने बाबा स्वामी मैया, पेनरु मे देखा
जन्म दिन मनाते हुए, हमने बाबा स्वामी देखा...मैया ढूँढ०

हमने बाबा स्वामी मैया, दांडी मे देखा
आश्रम बनाते हुए, हमने बाबा स्वामी देखा ...मैया ढूँढ०

मुझे ये तो बता मेरे बाबा...

मुझे ये तो बता मेरे बाबा,
मुझे ये तो बता मेरे स्वामी,
तेरी छाया कहाँ पे नही है
तेरी छाया कहाँ पे नही है, तेरी माया कहाँ पे नही है
मुझे ये तो बता मेरे बाबा...

पास वालो ने देखा है तुम को, दुर वालो ने समझा है तुम को
पशु पक्षीओ ने जाना है तुम को, वो तो कहने के काबिल नही है
मुझे ये तो बता मेरे बाबा...

तेरी माया ने हम को सताया, तेरी ममता ने हम को झुकाया
तेरी बातो मे कैसा है जादु, वो दिखाने के काबिल नही है
मुझे ये तो बता मेरे बाबा...

लोग पीते है पी पी के गीरते, हम तो पीते है गीरते नही है
हमने पीया है ध्यान का प्याला, वो अंगुरो की मदिरा नही है
मुझे ये तो बता मेरे बाबा...

ध्यान धरता हुं शाम सँवेरे, नाम रटता हुं हरदम तुम्हारा
मुझे एक सहारा है तेरा, और कोई सहारा नही है
मुझे ये तो बता मेरे बाबा...

॥ जय बाबा स्वामी ॥

गुरु दरबार

दोहा : गुरु दरबार में, भक्ति बढाई जाती है
गुरु दरबार में, बिगडी बनाई जाती है
मरने के बाद तो, सभी मुक्ति ही कहते है
मेरे गुरु दरबार में, जीते जी मुक्ति दिलाई जाती है

आजा गुरु द्वार तेरा भाग्य बन जायेगा,
गुरु की कृपा से.. हो..
गुरु की कृपा से तुझे राम मिल जायेगा
आजा गुरु द्वार तेरा भाग्य बन जायेगा

जय सदगुरु देवा...(२),
पूजा भी करी थी तुने भजन किया था
मंदिरो मे मिलने प्रभु राम से गया था, मन मंदिर का... हो...
मन मंदिर का द्वार खुल जायेगा, जय सदगुरु देवा...(२)

गीता भी पढी थी तुने रामायण पढ ली
पर प्रभु के प्रेम की लगन न लागी, ढाई अक्षर प्रेम का... हो...
ढाई अक्षर प्रेम का गुरु से मिल जायेगा हो..,
जय सदगुरु देवा...(२)

भटक भटक कर हमने ये जाना, वेद पुराणो का सार ये माना
बीन गुरु कृपा किसीने नही जाना, हम भक्तो का... हो...
हम भक्तो का काम बन जायेगा, जय सदगुरु देवा...(२)

॥ जय बाबा स्वामी ॥

मेरे बाबा के दरबार मे...

दांडी तट पे मेला लगा है...
गुरुओं का दरबार

मेरे बाबा के दरबार मे सब का खाता है
मेरे स्वामी के दरबार मे सब का खाता है

ऊँच-नीच का भेद नहि जहाँ.... सब है एक समान
बिगडी किस्मत वो ही सँवारे.... ध्यान प्रिय घनश्याम
..मेरे बाबा०

ध्यान सिखाये राह दिखाये.... स्वामी तु है महान
हम भूले तु फिर भी निभाये.... जन्मों की पहेचान ..मेरे बाबा०

मन मीरा तु शाम है मेरा.... करता रहु दिदार
नाचु मगन मे नित्य ही कर के.... गुरुनाम शृंगार ..मेरे बाबा०

तन मे ही भगवान छूपे है, मानव तु पहेचान
सारे जग में ढूँढ लीया है, अब तो तु पहेचान ..मेरे बाबा०

बडे भाग्य मानव तन पाया, उनका है अहेसान
आखरी मौका चुक गया तो, फीर अंधियारी रात ..मेरे बाबा०

आया बुलावा कर लो समर्पण बाबा का दरबार
नैया तुम्हारी पार लगेगी हो, नाविक है भगवान ..मेरे बाबा०

॥ जय बाबा स्वामी ॥

नवसारी वाले बाबा...

ओ बाबा, ओ स्वामी जाना नही, हमे छोड कर, हमे छोड कर
नवसारी वाले बाबा, तुम्ही हो सहारा
तुम्ही हो सहारा, बाबा हमने ये जाना
ओ बाबा, ओ स्वामी जाना नही, हमे छोड कर, हमे छोड कर

स्वामी के दर्शन पाने जो आते है(२), दर्शन पा कर धन्य सभी हो जाते है
बाबा के चरणो मे शिष झुकाते है, पल भर मे वो शून्य शिखर पहोंचाते है
नवसारी वाले बाबा, तुम्ही हो सहारा

सालो के तप से जो आपने पाया है, वो भी हम भक्तो के बीच लूटाया है
भूले भटके जो भी दर पे आते है, ध्यान लगा कर शांति का सुख पाते है
नवसारी वाले बाबा, तुम्ही हो सहारा

गाँव गाँव जा कर के ध्यान सिखाया है, पापी को भी पावन कर दिखलाया है
जीवन मुक्ति मार्ग जो आपने पाया है, हम सब को भी वही मार्ग दिखाया है
नवसारी वाले बाबा, तुम्ही हो सहारा

सात समंदर पार भी ज्योत जगाई है, सब के मन मे ध्यान की भूख जगाई है
रामदास चरणो मे शिष झुकाता है, जीवन नैया बाबा पार लगाता है
नवसारी वाले बाबा, तुम्ही हो सहारा

दे दी हमे जागृति

दे दी हमे जागृति बिना जाप परिताप,
नवसारी वाले बाबा तुने कर दिया कमाल,
बोलो बोलो जय बाबा स्वामी की

हिन्दु हो मुसलमान हो पारसी, ईसाई भी,
न जात पूछी रंग देखा, देश कभी भी,
जो जो भी आया द्वार अपना बना लिया
..दे दी हमे०

कोई भी समस्या हो, कोई भी बिमारी हो,
कोई भी जीवन जीने की उम्मीद रही न हो,
उसे भी तुने नवजीवन का दान दे दिया
..दे दी हमे०

गांधी ने आझादी की जहाँ ज्योत जगाई
वीरो ने जहाँ जीवन का बलीदान दे दिया
ईस गाँव का त्रिलोक मे एक स्थान कर दिया
..दे दी हमे०

आंधी मे भी चलती रहे बाबा तेरी ये नाव
जो जो भी आये नाव में ईसे बिठा दिया
सब को बिठा के नाव मे उस पार कर दिया
..दे दी हमे०